भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3258

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

रामायण सर्किट

†3258. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पर्यटन के लिए रामायण सर्किट नामक कोई पहल की है;

(ख) यदि हां, तो इसमें शामिल किए जा रहे शहरों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त पहल में शामिल किए गए राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या बिहार राज्य भी उक्त पहल का मुख्य घटक रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार बिहार के गोपालगंज जिले के थावे पीठ को रामायण सर्किट में शामिल करने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' की अपनी जारी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को सम्पूरित करता है। यह सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को योजना के दिशानिर्देशों की तर्ज पर, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है। पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के हिस्से के रूप में रामायण परिपथ विषय में 2 परियोजनाओं सहित चिह्नित विषयगत परिपथ के तहत देश में 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**विषय/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ	चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45

		2016-17		
2.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21

पर्यटन मंत्रालय ने एसडी के तहत बिहार में 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**विषय/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली-आरा-मसद-पटना-राजगीर-पावापुरी-चंपापुरी का विकास	33.96
2.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग का विकास: सुल्तानगंज-धर्मशाला-देवघर	44.76
3.	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा- चंद्रहिया- तुरकौलिया का विकास	44.27
5.	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55

मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत बिहार राज्य में 02 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	2015-16	पटना साहिब का विकास	29.62
2.	2014-15	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	3.63

मंत्रालय ने हाल ही में स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए देश में बिहार में 'गया' और 'नालंदा' सहित 57 स्थलों की पहचान की है। इसके अलावा, स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत एक उप-योजना, 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' (सीबीडीडी) के तहत, मंत्रालय ने बिहार में संस्कृति और विरासत की श्रेणी में 'भागलपुर' और 'सारण जिला (सोनपुर मेला)' सहित विकास के लिए देश में 42 स्थलों की पहचान की है।

अभी तक, बिहार के गोपालगंज जिले के थावे पीठ को रामायण परिपथ में शामिल करने के लिए निर्धारित प्रपत्र में कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

उपर्युक्त पहलों के अतिरिक्त, 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता की योजना 2024-25 (एसएएससीआई)' के अंतर्गत राज्य सरकारों से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर, भारत सरकार ने हाल ही में बिहार में 2 परियोजनाओं सहित देश में 40 पर्यटन संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (राशि करोड़ रु. में)**	**स्वीकृति वर्ष**
1.	मत्स्यगंधा झील, सहरसा का विकास	97.61	2024-25
2.	करमचट इको-टूरिज्म और एडवेंचर हब	49.51	2024-25

*****